[प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत]

पिछले दिनों राजस्थान के गंगानगर, बाड़मेर, जैसलमेर जिलों में कई पाकिस्तानी नागरिकों तथा तस्करों को पकड़ा गया।

अतः मान्यवर, रक्षा मंत्रालय का ध्यान मैं इन गतिविधियों की तरफ आकर्षित करना चाहूंगी, क्योंकि हमेशा पाकिस्तान इसी हिस्से से आगे बढ़ता है। अतः इन गतिविधियों की ओर ध्यान दिया जाए।

(ii) **Reported Statement of Delhi Police Commissioner against the findings of a Commission re. Baghpat incident.**

श्री मनीराम बागड़ी : (हिसार) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी पार्टी डैमोक्रेटिक सोशलिस्ट पार्टी है।

MR. DEPUTY SPEAKER: You are very embodiment of democracy itself!

श्री मनीराम बागड़ी : उपाध्यक्ष महोदय, दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने बागपत कांड के जांच आयोग की रपट को सार्वजनिक रूप से भर्त्सना और नारी जगत का अपमान किया है। आयोग ने स्पष्ट कहा है कि तीन व्यक्तियों को, जो पूर्णतया निर्दोष थे, पुलिस ने अकारण मारा। वे डकैत नहीं थे। माया त्यागी एक सुशील महिला थी। उस के गुप्त अंग में 6–7 टांके लगे हैं। उस से डकैतों का कोई रिश्ता नहीं था। श्री विनोद मुजफ्फर नगर में पुलिस कांस्टेबिल थे, इनके बड़े भाई की हत्या बागपत थाने की पुलिस ने की और इन की भाभी को सार्वजनिक तौर पर अपमानित किया। यदि विनोद त्यागी के मस्तिष्क पर अपने भाई की हत्या और भाभी की सार्वजनिक बेइज्जती की कोई प्रतिक्रिया हुई हो और उस ने बदले की भावना से कोई काम किया हो, तो सम्पूर्ण त्यागी समाज को कहना कि त्यागी गैंग है" पूर्णतया असंवैधानिक है और एक जाति विशेष को कलंकित करना है। गृह मंत्री को दिल्ली पुलिस कमिश्नर को बुला कर उनकी भर्त्सना करनी चाहिए और उन को बर्खास्त कर देना चाहिए।

(iii) **Need to accord priority in allotment of Railway Wagons for Transportation of Foodgrains by Kerala State Civil Supplies Corporation.**

SHRI A. K. BALAN (Ottapalam): Even though the public distribution system in Kerala is well organised, there is shortage of supply of ration articles due to non-availability of stock. For the distribution of foodgrains at the present rate, the requirement of rice and wheat is 1.94 lakh tonnes and 10,000 M.T. respectively. Against this, the allotment sanctioned is only 1.35 lakh tonnes of rice and 4,000 M.T. of wheat and only 80,000 tonnes were actually being received.

In order to ensure regular availability of foodgrains during the lean months of the monsoon season it is necessary that sufficient buffer stock is built up. But the efforts made by the State Government and FCI in this regard are yet to give results. The FCI is finding it difficult to move the 1.35 lakh tonnes of rice allotted to the State in a month and the stock position in most FCI godown is very meagre. Delayed arrival and release of stock lead to public complaints and also give private dealers opportunity to exploit the situation to their advantage.

Kerala State Civil Supplies Corporation has a major role in maintaining the supply of foodgrains and other articles, but due to non-availability of sufficient wagons the Corporation is facing the problem of transporting the foodgrains procured from the neighbouring States. At present the priority in allotment of wagons is given only for lifting foodgrains for FCI. It is necessary that this priority is extended to the K.S.C.S.C. also so that the activities of the Cor-